भारतीय राष्ट्रवाद के उदय में सहायक कारक :

Contents : (सूची)

1. राष्ट्रवाद है क्या।
2. राष्ट्रवाद की शुरूआत कैसे हुई।
3. राष्ट्रवाद के जन्म का कारण। (भारतीय परिप्रेक्ष्य में)
4. राष्ट्रवाद का उद्देश्य।
5. भारतीय राष्ट्रवाद क्या है।
6. भारतीय राष्ट्रवाद का उदय के कारण।
7. भारतीय राष्ट्रवाद का उद्देश्य।
8. भारतीय राष्ट्रवाद का महत्व।

1. राष्ट्रवाद है क्या : एकीकृत विचारधारा या किसी एक समूहों की विचारधारा है जो किसी राष्ट्र के उत्थान को अग्रसारित करता है। दूसरे शब्दों में कहें तो, एक विचारधारा है, जो उनलोगों द्वारा व्यक्त की जाती है जो यह मानते है कि उनका राष्ट्र सर्वश्रेष्ठ है। श्रेष्ठता की यह भावनाएँ अक्सर सामान जातीयता, भाषा, धर्म, संस्कृति या सामाजिक मूल्यों पर आधारित होती है। राष्ट्रवाद भी कई प्रकार के होते हैं। जैसे : 1. जातीय राष्ट्रवाद, 2. विस्तावादी राष्ट्रवाद, 3. सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, 4. भाषा राष्ट्रवाद, 5. धार्मिक राष्ट्रवाद, 6. नागरिक राष्ट्रवाद, 7. उदार राष्ट्रवाद, 8. क्रांतिकारी राष्ट्रवाद, इत्यादि।

2. राष्ट्रवाद की शुरूआत कैसे हुई : (भारत के परिप्रेक्ष्य में)
भारत में राष्ट्रवाद के शुरूआत को ही, भारत में पुनर्जागरण का दूसरा स्वरूप कहा जा सकता है। इसके शुरूआत के कई पहलुएं हैं, उनमें से सर्वश्रेष्ठ पहलू 1857 की क्रांति वाले आर्टिकल से भी जाना जाता है, की कैसे 1857 में भारतीयों में अंग्रेजों की नितीयों के खिलाफ जन आक्रोश फूटा और एक अच्छे मनोबल और अपनी भूमी के लिए प्रेम यह सब भारतीयों में प्रारंभ में राष्ट्रवाद के उदय का कारण बनें।

3. राष्ट्रवाद के जन्म का कारण : (भारतीय परिप्रेक्ष्य में)
भारत में राष्ट्रवाद के जन्म का कारण, इसकी शुरूआती संकल्पनाओं में ही झलकती है, जैसे - राजनितीक कारण की बात करें तो, 1857 की क्रांति, 1885 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना, ब्रिटीश शोषक नितीयाँ, इलबर्ट बिल विवाद (इसके कारण ही भारतीयों में भारतीयों में स्वदेश प्रेम जाग उठा था। दूसरा कारण - (आर्थिक कारण) अर्थात भारत में दो प्रमुख क्षेत्र थें, जो भारत के आय का प्रमुख स्त्रोत थें और वे कृषि और लघु उद्योग थें। इनके फलस्वरूप, अंग्रेजों ने इन दोनों क्षेत्रों में भी ऐसी नितीयाँ चलाई जिस कारण भारतीय प्रताड़ित होने लगें।